भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न संख्या : **640**
गुरुवार, 25 जुलाई, 2024 / 3 श्रावण, 1946 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

आन्ध्र प्रदेश के लिए उड़ान योजना

640. श्री कृष्ण प्रसाद टेन्नेटी:

क्या **नागर विमानन मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) आन्ध्र प्रदेश राज्य में, विशेषकर बापतला संसदीय निर्वाचन क्षेत्र में उड़ान योजना के अंतर्गत विकास हेतु चयनित विमानपत्तनों का ब्यौरा क्या है;
(ख) उक्त योजना के अंतर्गत कितने विमानपत्तनों का विकास किया गया है और इन विमानपत्तनों की प्रगति की स्थिति क्या है?

उत्तर

नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुरलीधर मोहोल)

(क): असेवित और अल्पसेवित हवाईअड्डों का विकास वैध बोली के माध्यम से उनकी पहचान के आधार पर किया जाता है और चयनित एयरलाइन प्रचालक (एसएओ) को अवॉर्ड दिया जाता है। आंध्र प्रदेश राज्य में, 'उड़ान' योजना के अंतर्गत विकास और प्रचालन के लिए कुरनूल, कडप्पा और प्रकाशम बैराज (वाटर एरोड्रम) की पहचान की गई थी, जिनमें से कुरनूल और कडप्पा हवाईअड्डों का प्रचालन शुरू हो चुका है।

आंध्र प्रदेश राज्य में बोब्बिली, डोनाकोंडा और एलोर की अप्रयुक्त हवाईपट्टियाँ 'उड़ान' योजना के अंतर्गत बोली के लिए उपलब्ध हैं। इन हवाईपट्टियों को जोड़ने वाले किसी भी मार्ग को 'उड़ान' के अंतर्गत उड़ानों के प्रचालन के लिए अभी तक किसी भी एयरलाइन को अवॉर्ड नहीं किया गया है।

(ख): 579 आरसीएस मार्गों के माध्यम से 13 हेलीपोर्ट और 2 वाटर एरोड्रम सहित 85 असेवित और अल्पसेवित हवाईअड्डों का प्रचालन किया गया है। आरसीएस-उड़ान के अंतर्गत अब तक 2.73 लाख उड़ानों के माध्यम से 141 लाख से अधिक यात्रियों ने यात्रा की है।

******